कांग्रेस सरकार बनने पर प्रदेश में एक अच्छी और नई व्यवस्था लायेंगे- कमलनाथ

✷ माफियाओं को संरक्षण दे रही है भाजपा

भोपाल 15 नवम्बर (ए) प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ ने आज उदयपुरा में आयोजित विशाल सभा में कहा कि भारतीय जनता पार्टी आज सट्टा माफियाए शराब माफियाए रेत माफिया को पूरा.पूरा संरक्षण दे रही है। यह भ्रष्टाचार गांव से शुरू होता है। गरीबी रेखा में नाम लिखवाना हो तो पैसे देना पड़ते हैं। यह 15 साल की लूट को झूठ की सरकार है। कांग्रेस की सरकार बनने पर मध्यप्रदेश में नये नियम और कानून ही नहींए बल्कि पूरी एक नयी व्यवस्था लागू करेंगे। हमने अपने वचन पत्र में सभी वर्गों के लिये कुछ न कुछ वचन दिये हैं। क्योंकि हमारे नजरिये में पूरे प्रदेश के हर वर्ग की खुशहाली है। कांग्रेस में और भाजपा में सोच का अंतर है। उनकी सोच में खोट है। जब हम सोचते हैं तो किसानों और नौजवानों के बारे में सोचते हैं। महिलाओं के बारे में सोचते हैं। लेकिन भाजपा बड़े.बड़े व्यापारियों उद्योगपतियों और बिचैलियों के बारे में सोचती है। कमलनाथ ने कहा कि मोदी जी आये तो आप उनका भाषण जरूर सुनियेगा। वे दो करोड़ लोगों को रोजगार देने के अपने वायदे की बात नहीं करेंगेए किसानों की बात नहीं करेंगे। वे आज राष्ट्रवाद की बड़ी.बड़ी बातें करेंगे। ध्यान भटकाने की बात करने लग जायेंगे। कितनी अच्छी एक्टिंग करते हैं और कैसे गुमराह करते हैं। मैं तो उनसे पूछता हूं कि अपने दल में एक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी का नाम हमें बता देंए जिसने देश के लिये बलिदान दिया हो। कांग्रेस के हजारों लोगों ने इस देश की स्वतंत्रता में अपना योगदान दिया।

नाथ ने कहा कि इस प्रदेश में किसानों का अपमान हुआ है। उनके साथ अन्याय हुआ है। हजारों की संख्या में हमारे किसानों को जेल जाना पड़ा है। आज किसान के पेट पर लात और छाती में गोली मारी है। ये वही शिवराज हैं जो कहते हैं कि मैं किसान का बेटा हूं। यह कैसा बेटा हैए क्योंकि आज मध्यप्रदेश में सबसे ज्यादा दुखी हमारा किसान है।

आज पंडित जवाहर लाल नेहरू का जन्मदिन है। उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती देश को एक रखने की थी।

देश में कितनी भाषाऐं और कितनी जातियां हैंए लेकिन फिर भी सभी मिलकर एकता के साथ रहते हैं। यही हमारी संस्कृति है। इससे पूरा विश्व अचंभित है।

कांग्रेस देश को जोड़ती है और भाजपा लोगों के तोड़ने का काम करती है। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी देवेन्द्र पटेल और प्रभुराम चैधरी को अपार बहुमत से जिताने का आव्हान जनता से किया। सभा में अपार जनसमूह कमलनाथ जी को सुनने आया था।

.सिलवानी की सभा

कमलनाथ ने आज दोपहर में सिलवानी की सभा में कहा कि यह शिवराजसिंह जी का क्षेत्र रहा है। लेकिन यहां कितनी दुर्दशा है। प्रदेश भ्रष्टाचार में नंबर वन है। प्रदेश माफियाराज बन गया है। शिवराज सिंह नर्मदा.क्षिप्रा साफ करने की बात करते हैं। जिनकी नीयत साफ नहीं हैए और जिन्होंने बैंक साफ कर दिया होए वे नर्मदा क्षिप्रा क्या साफकरेंगे। नाथ ने कहा कि मुझे नौजवानों की चिंता है।

वह अपने हाथों में काम चाहते हैं। मध्यप्रदेश में जितने उद्योग लगते नहींए उससे ज्यादा बंद हो जाते हैं। अस्पताल में डॉक्टर नहीं और स्कूल में शिक्षक नहींमोदी जी प्रदेश में आने वाले हैं और वे लंबी.चैड़ी बातें करेंगे।

विधानसभा चुनाव में नोटा से उड़ी नेताओं की नींद

भोपाल 15 नवम्बर (ए) मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ और राजस्थान विधानसभा के चुनाव में नोटा को लेकर प्रमुख राजनीतिक दलों की उम्मीदवारों में चिंता स्पष्ट रूप से देखी जा रही हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में नोटा के कारण हार जीत का अंतर बदल गया। जितने वोटों से हार हुई। उससे कहीं ज्यादा नोटा में वोट डाले गए थे। 2013 के छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में 90 सीटों पर मतदान हुआ था। जिनमें 35 सीटों पर नोटा तीसरे स्थान पर रहा वोट कटवा पार्टी के रूप में नोटा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कई विधानसभा क्षेत्रों में प्रत्याशियों की हार जीत के अंतर से ज्यादा वोट नोटा में पड़े थे। इस बार भी चुनाव लड़ रहे प्रत्याशियों के बीच में सबसे ज्यादा भय नोटा का देखने को मिला है।

भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार नोटा से ज्यादा भयभीत हैं। भारतीय जनता पार्टी में इस समय सबसे ज्यादा नाराजगी संघ कार्यकर्ताओं और पार्टी के सामान्य कार्यकर्ताओं के बीच देखने को मिल रही है। हर विधानसभा क्षेत्र से नाराज कार्यकर्ता यह कहते भी पाए जा रहे हैं। जीवन भर कांग्रेस को वोट नहीं दियाए लेकिन इस बार कांग्रेस को वोट तो नहीं देंगेए लेकिन नोटा मे वोट जरुर डालेंगे।

2013 के पहले चुनाव के दौरान अन्य राजनीतिक दल और प्रत्याशी वोट कटवा के रूप में अपनी पहचान बनाते थे। लेकिन अब ट्रेंड बदल रहा हैए जो लोग कांग्रेस.भाजपा से नाराज है। वह अपना वोट बिना झिझक नोटा में डाल देते हैं। जिसके कारण 2018 के विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों की नींद हराम है।

विस चुनाव प्रचार सामग्री पर महंगाई की मार

✷ जीएसटी उम्मीदवारों की जेब पर पड़ रही भारी

भोपाल 15 नवम्बर (ए) चुनाव प्रचार सामग्री पर भी महंगाई की मार पड रही है। सभी पार्टियों के उम्मीदवारों की जेब पर जीएसटी का भार पड़ रहा है। प्रचार के लिए टी.शर्ट और साड़ियां पहली पसंद हैए लेकिन वर्ष 2013 में हुए विधानसभा चुनावों की अपेक्षा इस बार प्रचार सामग्री की कीमतों में 10 प्रतिशत तक उछाल आया है। इसके अलावा 18 प्रतिशत जीएसटी की मार पर भी भारी पड़ रही है। हालांकि शहर में अब तक करीब 50 लाख रुपए की प्रचार सामग्री का व्यापार हो चुका है।नेहरू टोपी पर कांग्रेसियों के स्लोगन व बड़े नेताओं के चेहरे की मांग हमेशा से ज्यादा रही है। लिहाजा व्यापारियों ने इस पैटर्न पर भाजपा नेताओं की तस्वीर छाप कर बाजार में बेचने के लिए उतारी। लेकिन नेहरू टोपी पर कमल का निशान और भाजपा नेताओं के चेहरे का प्रिंट भाजपाइयों को रास नहीं आया। लिहाजा यह टोपी नहीं बिकी । भाजपाइयों ने कैप ;धूप से बचने वालीद्ध ही खरीदी हैं। हालांकि प्रचार की अन्य 20 हजार टोपियों का व्यापार हो चुका है। बीते चुनावों की अपेक्षा इस बार प्रचार सामग्री के ट्रेंड में बदलाव आया है। भाजपा हो या कांग्रेस दोनों ही बड़े राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों की पहली पसंद टी.शर्ट और साड़ियां बनी हैं। किसी साड़ी के पल्ले में ही पार्टी का निशान है तो कुछ में पार्टी के स्लोगन लिखे गए हैं। इनकी कीमतें भी अन्य प्रचार सामग्री से ज्यादा है।

उधर अधिकांश प्रत्याशी अपने साथ प्रधानमंत्री मोदीए सीएम शिवराज सिंह चौहानए राहुल गांधीए सोनिया गांधीए ज्योतिरादित्य सिंधिया और दिग्विजय सिंह के चेहरे के साथ प्रिंट की गई टी.शर्ट की मांग ज्यादा कर रहे हैं। इसके अलावा चादरए पर्दों और अलग.अलग प्रकार की टोपियों की मांग है। चुनाव प्रचार सामग्री बेचने वाले दुकानदारों की माने तो कांग्रेसियों की सबसे ज्यादा मांग पुरुषों के कुर्तों की हैं। इसमें या तो पार्टी का चिन्ह या पीछे की ओर वरिष्ट नेताओं की फोटो। हजारों की संख्या ऐसे कुर्ते बिक चुके हैं और इनकी बुकिंग भी जारी है। इसके अलग.अलग नेताओं के फोटो वाले पेन भी हजारों की संख्या में बिके हैं। पुराने समय से प्रचार के लिए उपयोग में लाई जा रही सामग्री को भाजपाई को ज्यादा पसंद हैं। इनमें गमछेए बिल्लेए झंडेए स्टीकरए टू व फोर व्हीलर में लगाए जाने वाले झंडेए पोस्टर की मांग लगातार आ रही है। पार्टी और उम्मीदवार स्तर पर इनकी ब्रिक्री अब तक सबसे ज्यादा हुई है। कुछ प्रत्याशियों ने बड़े व छोटे बैग ;झोलाद्ध की डिमांड भी ज्यादा की है।

भाजपा ने निर्वाचन आयोग से की कमलनाथ के भड़काऊ वीडियो की शिकायत

भोपाल 15 नवम्बर (ए) भारतीय जनता पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के एक भड़काऊ वीडियो की शिकायत निर्वाचन आयोग से की है। प्रतिनिधिमंडल ने कमलनाथ के खिलाफ सांप्रदायिक विद्वेष भड़काने सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग की है।

भारतीय जनता पार्टी का एक प्रतिनिधिमंडल मुख्य प्रवक्ता डॉण् दीपक विजयवर्गीयए एसण्एसण्उप्पलए अधिवक्ता ओमशंकर श्रीवास्तव एवं अधिवक्ता प्रमोद सिंह तोमर के नेतृत्व में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मिला। प्रतिनिधिमंडल ने निर्वाचन आयोग से शिकायत करते हुए कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ का एक वीडियो वायरल हो रहा हैए जिसमें वे सांप्रदायिकता फैलाने वाला संदेश दे रहे हैं। इस वीडियो में कमलनाथ यह कह रहे हैं कि ष्अगर हिन्दू को वोट देना है तो हिन्दू शेर मोदी को वोट दो मुसलमान को देना है तो कांग्रेस को दोण्ष्ष्ण्ण्ण। इस प्रकार साम्प्रदायिक भावना से प्रेरित होकर जातिवाद और धर्म के आधार पर मतदाताओं को विशेषकर मुस्लिम समाज को लुभाने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रतिनिधिमंडल ने अपनी शिकायत के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के इस वीडियो की एक सीडी भी निर्वाचन आयोग को सौंपी है। प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमलनाथ के खिलाफमामला दर्ज कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

रन फॉर डेमोक्रेसी भोपाल विल रन की तैयारियों का संभागायुक्त एवं कलेक्टर ने लिये जायजा

भोपाल 15 नवम्बर (ए) ष्रन फॉर डेमोक्रेसी भोपाल का आयोजन 17 नवम्बर 2018 को टीण्टी नगर इस रन में दिव्यांगों मतदाताओं के प्रोत्साहन हेतु ब्लेड रनर भी भाग लेंगे । स्टेडीयम में जिला निर्वाचन अधिकारी भोपाल द्वारा आयोजित किया जा रहा है । इस मेगा मैराथन में 11किमी 5 किमी 2 किमी की दौड आयोजित की जावेगी । इस दौड की तैयारियों के संबंध में संभागायुक्त कवीन्द्र कियावत एवं कलेक्टर भोपाल डॉ0 सुदाम खाडे खेल संचालक एसएल थाउसेन ने मैराथन तैयारियों का जायजा लिया एवं संबंधितो को आवश्यक दिशा निर्देश दिये व मैराथन के संबंध में बताया की इस आयोजन का उददेश्य भोपाल जिले में शत् प्रतिशत मतदान कराना है व मतदान के प्रति लोगों को जागरूक करना है । 11 किण्मी एवं 5 किण्मी की दोड में विजेताओं को आर्कषक नगद पुरस्कार मेडल व सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किये जायेंगे । 2 किण्मीण् की वाकथन में फैन्सी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा । इसमें ट्रेडीशनल मोर्डन एवं पारम्परिक परिधानों का समावेश होगा । इस अवसर पर भोपाल जिलें के विभिन्न स्कूलों के प्रतिष्ठित बैंडों की प्रस्तुतियों का प्रदर्शन किया जायेगा । भोपाल जिलें के आम नागरिकों से अपील है कि इस भव्य मैराथन ष्रन फॉर डेमोक्रेसी भोपाल विल रन में अधिक से अधिक भाग ले तथा इस लोकतंत्र के उत्सव को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करें। जो धावक दौड नहीं सकते वो वाक करेंए 2 किमी की वाकथन में विभिन्न प्रतिभागी अलग.अलग परिधानों में वाक करेंगे तथा मतदान का संदेश देंगे ।

भोपाल में एतिहासिक रन के लिये संभागीय आयुक्त ने सभी शहरवासियों से अपील की है कि वे लोगों को मतदान का संदेश देने परिवार सहित आएं । इस रन के लिये सभी आवश्यक प्रबंध किये गये है जगह जगह स्टेशन होगें व सायकल से ष्जीवन रक्षक वालेंटियर नजर रखेंगे दवाइयों के साथ ।

व्यापम महाघोटाले के मास्टरमांइड सागर के चुनाव मैदान मे आने से मुकाबला हुआ रोचक

भोपाल 15 नवम्बर (ए) विधानसभा चुनाव से पहले सवर्ण आंदोलन से लेकर व्यापमं घोटाले को लेकर इस बार कई सीटों पर प्रभाव देखने को मिल रहा है। इसी बीच गोहद विधानसभा सीट पर त्रिकोणिय होने के चलते मुकाबला रोचक हो गया है। इस सीट पर वर्तमान मंत्री और बीजेपी विधायक लाल सिंह आर्य हैं। उनके खिलाफ कांग्रेस ने रणवीर जाटव को मैदान में उतारा है। वहीं बसपा ने व्यापमं के मास्टर माइंड जगदीश सागर को उम्मीदवार बनाया है। जानकारी के अनुसार पिछले महीने सगर ने टिकट के लिए बीएसपी से संपर्क किया था। हालांकि भिंड के स्थानीय बीएसपी नेताओं ने उसकी उम्मीदवारी पर विरोध जताया थाए लेकिन पार्टी हाईकमान ने लखनऊ से उसके नाम पर मुहर लगा दी थी। गौरतलब है कि पेशे से डॉक्टरए जगदीश सागर को व्यापम महाघोटाले के मास्टर माइंडो मे से एक आरोपी माना जाता है। आरोप है कि उसने पीएमटी में फर्ज़ीवाड़ा कर 100 से ज़्यादा विद्यार्थियों को ग़लत तरीके से मेडिकल कॉलेजों में दाख़िला दिलाया था। जांच में खुलासा होने पर इंदौर क्राइम ब्रांच पुलिस ने 2013 में उसे मुंबई से गिरफ़्तार किया था। खास बात तो ये है कि सागर ने शपथ पत्र में अपने ख़िलाफ दायर आपराधिक मामलों का ब्यौरा भी दिया हैए इसमें मध्य प्रदेश पीएमटी घोटाला और मनी लॉड्रिंग केस भी शामिल है। व्यापम महाघोटाले के इस आरोपी ने अपने नामांकन पत्र के साथ शपथ पत्र में अपनी संपत्ति का जो ब्यौरा दिया हैए उसके मुताबिक सागर के 31 छोटे बड़े प्लॉट हैंण् उसकी चल संपत्ति की कीमत 1ण्82 करोड़ हैण् पत्नी सुनीता सागर 39ण्29 की संपत्ति की मालिक है। इसके अलावा व्यापम घोटाले के इस आरोपी के पास 3ण्78 करोड़ की अचल संपत्ति और उसकी पत्नी के पास 1ण्30 करोड़ की संपत्ति है।

भोपाल में मप्र विधानसभा चुनाव 2018 के लिए अपने.अपने विधानसभा क्षेत्र में भाजपा और कांग्रेस के प्रत्याशी कुछ इस तरीके से जनसंपर्क करते हुए।

सम्पत्ति विरूपण के 17 लाख 20 हजार 81 प्रकरणों पर कार्यवाही

भोपाल 15 नवम्बर (ए) मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी व्हीण्एलण् कान्ता राव ने बताया कि आदर्श आचरण संहिता लगने के बाद 6 अक्टूबर से 13 नवम्बर 2018 तक प्रदेश में कानून एवं सुरक्षा व्यक्कवस्था के लिये 41 हजार 511 गैर जमानती वारंट तामील करवाये गये हैए साथ ही 4 हजार 120 अवैध हथियार जब्त किये गये है और 2 लाख 61 हजार 452 शस्त्र थानों में जमा कराये गये है।

सम्पत्ति विरूपण के अन्तर्गत 17 लाख 73 हजार 941 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये है। जिनमें से 17 लाख 20 हजार 81 प्रकरणों में कार्यवाही की गयी। शासकीय सम्पत्ति विरूपण में 13 लाख 31 हजार 818 प्रकरण पंजीबद्ध कर 12 लाख 97 हजार 943 प्रकरणों में कार्यवाही की गई। निजी सम्पत्ति विरूपण के अंतर्गत 4 लाख 42 हजार 123 प्रकरण पंजीबद्ध कर 4 लाख 22 हजार 138 प्रकरणों में कार्यवाही की गई। वाहनों के दुरूपयोग पर 11 हजार 911 प्रकरण पंजीबद्ध किये गये हैं।

बरेली और बाड़ी थाना पुलिस की बड़ी कार्यवाही

3 बदमाशो से 2 बंदूक सहित 10 कारतूस 1 बोलेरो बरामद

भोपाल 15 नवम्बर (ए)। रायसेन जिले के थाना बाड़ी और बरेली पुलिस टीम द्वारा चुनाव के दौरान जारी विशेष चेकिंग अभियान के दौरान एक बोलेरो नम्बर एमपी 04 सीआर 2640 को चेकिंग के दौरान घेराबंदी कर पकड़ा। जिसमे वन्टी ठाकुर पिता रनवीर ठाकुर निवासी दतियाए धर्मेंद्र राजपूत पिता कुशाल सिंह राजपूत निवासी ग्राम ककरुआ थाना उदयपुरए सचिन शर्मा पिता इन्द्र्पाल शर्मा निवासी मिनाल रेजीडेंसी भोपाल की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान आरोपियों के पास से मे दो देशी बंदूक 315 वोर की 10 कारतूस बरामद किये गए। अफ्सरो ने बताया कि आरोपी थाना बाड़ी की ओर से बरेली तरफ आ रहे थेए जिनको बाड़ी पुलिस द्वारा रोके जाने पर यह नही रुके जो बाड़ी पुलिस ने तत्काल पीछा कर बरेली पुलिस को सूचित किया जो बरेली थाना पुलिस टीम ने पिपरिया रोड पर वाहन चेकिंग पॉइंट लगाकर बोलेरो को घेराबंदी कर पकड़ा। थाना बरेली व थाना बाड़ी पुलिस की तत्परता से संयुक्त रूप से की गयी कार्यवाही पर आरोपियों के खिलाफ आर्मस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर उनसे आगे कि पूछताछ की जा रही हैं।

ताालाब में डूबने से अधेड़ की मौत

डाबुगां 15 नवम्बर (सन्यूस) पापड़ाहांडी ब्लाक के चेरचेटा पंचायत अंतर्गत बरदेई गांव में गत दिवस तालाब में डूबने से एक अधेड़ की मौत हो गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार बरदेई गांव निवासी फगुनू हरिजन पिता बली हरिजन 55 वर्ष में गत 12 नवंबर की पूर्वाहन को गांव पास के तालाब में नहाने गया था क गहरे पानी में चले जाने के कारण डूबकर उसकी मौत हो गई। इस संबंध में उसके परिजनों के व्दारा डाबुगां के अग्निशमन विभाग को सूचित किये जाने पर दमकल कर्मचारियों ने मौके पर पहुंच कर शव को तालाब से निकाल पोस्टमार्टम कराने डाबुगां के सामुदायिक चिकित्सालय में भेज दिया।

घटना के संबंध में पापड़ाहांडी थाने को सूचित किये जाने पर पुलिस ने डाबुगां के चिकित्सालय पहुंच तथा शव को पोस्टमार्टम करा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस ने घटना के संबंध में मर्ग कायम कर मामले की विवेचना कर रही है।

19 नवम्बर से प्रदेश के संग्रहालयों में मनाया जायेगा विश्व धरोहर सप्ताह

भोपाल 15 नवम्बर (ए) संचालनालय पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय द्वारा प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विश्व धरोहर सप्ताह 19 नवम्बर से 25 नवम्बरए 2018 तक आयोजित किया जायेगा। पुरातत्व आयुक्त अनुपम राजन ने बताया है कि संचालनालय सहित विभिन्न जिलों में स्थापित संग्रहालयों में प्रदर्शनीए कार्यशाला और व्याख्यान.माला जैसे विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

विश्व धरोहर सप्ताह को दृष्टिगत रखते हुए 19 नवम्बर को साप्ताहिक अवकाश का दिन होने के बाद भी सभी संग्रहालय एवं स्मारक खुला रखने के लिये संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं। विश्व धरोहर सप्ताह के दौरान 19 नवम्बर को विभाग के सभी संग्रहालयों एवं स्मारकों में प्रवेश निरूशुल्क रहेगा।

चपरासी वर्दी नहीं पहनते, फिर लाखों रुपए खर्च क्यों

✷ बीयू हर साल वर्दी पर खर्च करता है 23 लाख रुपए

भोपाल 15 नवम्बर (ए) बरकतउल्ला विवि ;बीयूद्ध में चपरासी वर्दी नहीं पहनते फिर भी वर्दी पर सालाना लाखों रुपए खर्च हो रहे हैं।

बीयू में 450 चपरासियों को हर साल दो वर्दी और सिलाई व धुलाई की राशि दी जाती हैए लेकिन ये राशि बर्बाद हो रही है। इसके अलावा ठंड के लिए ऊलेन की वर्दी भी दी जाती हैए लेकिन चपरासी पहनकर नहीं आते। सूत्रों की माने तो बीयू में चपरासियों को लिए वर्दी पहनने अनिवार्य किया गया था। इसके लिए विवि हर साल लगभग 23 लाख रुपए खर्च करता हैए लेकिन एक भी चपरासी वर्दी पहने नजर नहीं आता। ज्ञात हो कि बीयू ने बाबू व चपरासियों में फर्क दिखाने के लिए ग्रे कलर की क्क निर्धारित थी। विवि कुलपति कर्मचारियों को वर्दी पहनने के लिए दिशा.निर्देश जल्द ही जारी करने वाले हैं।

विवि में चतुर्थ श्रेणी के 450 स्थायी और अस्थायी कर्मचारी हैं। इन्हें दो वर्दी के लिए रेमंड कंपनी के कपड़े दिए जाते हैं। एक कर्मचारी को 5 मीटर कपड़ा दो वर्दी के लिए निर्धारित है। इसके अलावा प्रत्येक कर्मचारी को वर्दी की धुलाई के लिए महीने में 50 रुपए और सिलाई के लिए 1000 रुपए मिलते हैं। इसमें महिला कर्मचारी को ग्रे कलर की साड़ी दी जाती है। वर्दी का कपडे पर 11 लाख 25 हजार रुपए खर्च होता है। वर्दी की धुलाई पर 2 लाख 70 हजार सालानाए वर्दी की सिलाई 4 लाख 50 हजार रुपएए ऊलेन वर्दी पर खर्च 4 लाख 50 हजार रुपए खर्च होंगे। इसी तरह वर्दी पर कुल खर्च 22 लाख 95 हजार रुपए होंगे। यहां बता दें कि बीयू में कुल 450 कर्मचारी है। इस बारे में बीयू के कुलपति प्रो आरजे राव का कहना है कि चर्तुथ श्रेणी के कर्मचारियों को वर्दी पहनने के लिए निर्देश दिया जाएगा। इससे विवि में अनुशासन विकसित होगा।

राजनैतिक दलों एवं व्यक्तियों को मैनुअली भी दी जा सकेंगी अनुमतियाँ

भोपाल 15 नवम्बर (ए) भारत निर्वाचन आयोग द्वारा परिवहन व्यवस्था के लिए सुगम एप्लीकेशन तथा राजनैतिक दलों एवं व्यक्तियों को अनुमतियाँ देने के लिए सुविधा एप्लीकेशन प्रदाय करवाया गया है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मध्यप्रदेश ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से सुगम तथा सुविधा एप्लीकेशन पर कार्य में असुविधा होने की जानकारी प्राप्त होने पर निर्देश दिए है कि जिन परिवहन व्यवस्थाओं को सुगम एप्लीकेशन द्वारा सरल रूप से किया जा सकता हैए उन्हे सम्पन्न किया जाय और जिन परिवहन व्यवस्थाओं को करने में सुगम एप्लीकेशन से असुविधा या परेशानी हो रही है उन्हें पूर्व की भाँति पंजीयन व्यवस्था द्वारा मैनुअली सम्पन्न किया जाय। इसी प्रकार राजनैतिक दलों एवं व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार की अनुमतियाँ सुविधा एप्लीकेशन द्वारा सरल रूप से प्रदान की जा सकतीं हैंए उन्हें प्रदान की जायें। सुविधा एप्लीकेशन सें असुविधा या परेशानी होने पर उन्हें पूर्व की भाँति पंजीयन व्यवस्था द्वारा मैनुअली प्रदान किये जाने की सहमति दी गई है।